शिक्षा | उत्तराखंड तकनीकी विवि ने रिलायंस फाउंडेशन की पहल के तहत कंपनी से किया करार

छात्र निशुल्क पढ़ सकेंगे 70 ऑनलाइन कोर्स

संवाद न्यूज एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड तकनीक विश्वविद्यालय एवं संबद्ध संस्थानों में इंजीनियरिंग समेत विभिन्न संकायों में पढ़ाई कर रहे छात्रों को अब भविष्य की जरूरत के हिसाब से कौशल विकसित करने के लिए 70 से अधिक नए ऑनलाइन कोर्स को निशुल्क पढ़ने का मौका मिलेगा। रिलायंस फाउंडेशन की पहल पर विवि ने एक कंपनी के साथ करार किया है। कोर्स पूरा करने वाले छात्रों को केंद्रीय मंत्रालय के अधीन गठित नेशनल स्किल्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएसडीसी) की ओर से सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।

विश्वविद्यालयों एवं तकनीकी संस्थानों से हर साल लाखों की संख्या में छात्र डिग्री हासिल कर रहे हैं। लेकिन सभी के लिए नौकरी पाना कठिन होता जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस जैसी नई तकनीक विकसित होने के बाद से रोजगार की संभावनाएं और भी कम हो रही है।

ऐसे में उद्योगों समेत विभिन्न क्षेत्रों में भविष्य की जरूरत के हिसाब से कौशल का विकास कर छात्रों के लिए रोजगार की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए सीएसआर के अंतर्गत रिलायंस फाउंडेशन की ओर से छात्रों में कौशल विकास के लिए पहल की गई है। इसके तहत फाउंडेशन की ओर से दिए गए बजट के आधार पर कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार के अधीन गठित नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेट (एनएसडीसी) पर्यावरण, एआई, रोबोटिक, मशीन लर्निंग जैसे करीब 100 नए लघु पाठ्यक्रमों को तैयार करा रहा है।

इन पाठ्यक्रमों को तैयार कराने में कैडमैन कंपनी का सहयोग लिया गया है। इसके साथ उत्तराखंड तकनीकी विवि ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस दौरान विवि की ओर से कुलपति प्रो. ओंकार सिंह एवं कुलसचिव प्रो. सत्येंद्र सिंह एवं कंपनी की ओर से प्रोजेक्ट हेड जितेंद्र शर्मा मौजूद रहे। कुलपति प्रो. ओंकार ने बताया कि इन पाठ्यक्रमों का लाभ विवि से जुड़े सभी छात्र निशुल्क मिलेगा। इसके लिए विवि की वेबसाइट पर जल्द ही लिंक जारी किया जाएगा। जिस क्लिक कर छात्र रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे।

100 लघु पाठ्यक्रमों को किया जा रहा है तैयार

केंद्रीय मंत्रालय के अधीन गठित एनएसडीसी की ओर से दिए जाएंगे सर्टिफिकेट

इस तरह तैयार किए गए हैं कोर्स

शिक्षाविद् और उद्योग विशेषज्ञ एक साथ मिलकर नई जरूरतों को तलाश करने के बाद एक सप्ताह से लेकर एक महीने तक के मॉड्यूल और पाठ्यक्रम तैयार करते हैं। इसके बाद इसमें डिजिटल कंटेंट शामिल किया जाता है। इसके बाद अध्ययन सामग्री, वीडियो और पीडीएफ आदि तैयार कर अपलोड की जाती है। संबंधित प्लेटफार्म पर छात्र जॉब के लिए भी एप्लाई कर सकेंगे।